VOL. 50, OCTOBER - DECEMBER 2014
FREE OF COST
FULL OF CARE

In the Name of GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

50th Edition for Soul Awakening

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

चिता पर लेटने से पहले ही चित्त को चेताने के लिए

How to become DIVINE before DYING ?

पैसा अकेला नहीं आता, पाप या पुण्य साथ लाता है। How?

क्या हम अपनी स्वयं की respect करते हैं?

What is Luck? पाप और पुण्यों का right time पर प्रकट होना। How?

सोने (Gold) जैसी Life सोने (Sleep) में गुज़र रही है। Body death से पहले कैसे जागें?

Mission Happiness®

Turn to God before you return To God

Mission Consciousness®

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

कल-कल करते आ जायेगा काल
Delay न करें, जागें तत्काल

एक pharmaceutical organization का divinity या spirituality से क्या लेना देना? आत्मा की आवाज, The Inner Voice की more than 30,000 copies, doctors and chemists ही नहीं, high court, आकाशवाणी, दूरदर्शन, सहित, टीवी चैनल, प्रिन्ट मीडिया, स्कूल, colleges, businessmen, jails तक पहुँचाना, उनसे लिखित में feelings लेना, यह सब कुछ इसलिए हो रहा है, because जब life की reality पता चल जाती है कि 23600 सांसें per day consume हो रही हैं, body की death का एक-एक दिन, तेजी से निकट आ रहा है, किन्तु most of the people, because of the influence of कलयुग, इस से बेखबर होकर, जल्दबाजी में जीवन का limited period समाप्त कर रहे हैं।

चेतना, consciousness, purity, का खजाना बढ़ रहा है या कम हो रहा है, इसकी measurement नहीं की जा रही है। बच्चे और जवान सोचते हैं, अभी हमारे जाने का time तो बहुत दूर है, अभी तो काम कर लें, money earning कर लें, साधना-सत्संग तो बुढ़ापे की बातें हैं। इसी illusion के कारण, consciousness, पवित्रता तो दूर, happiness, प्रसन्नता, जिसके लिए सब कुछ कर रहे हैं, वह भी हाथ से निकल चुकी है।

Death से पहले hospital के bed पर, परलोक यात्रा की तैयारी नहीं की जा सकती।

कल कल करते निकट आ रहा है काल,
और आत्मा पड़ी हुई है कोने में बेसुध और बेहाल

Therefore, Mission Happiness की priority है कि खुद भी जागें और दूसरों को भी जगायें।
इससे पहले कि यमराज या धर्मराज, शरीर में से आत्मा को लेने आ जायें।

By the Grace of God, this is the Golden – 50th issue of Inner Voice, जो कि God का letter, thousands नहीं lakhs of persons को सोचने और बदलने में help कर रहा है कि materialism के साथ-साथ spiritualism के साथ जीना बहुत सरल और सफल है।

सोने (gold) जैसी life - सोने (sleep) में न निकल जाए,
हंसी-खुशी की ज़िन्दगी, रोने में न निकल जाए।

The sooner one gets awakened, it is prudent & better,
So this is not be read, but to be felt, because it is God's letter.

अपनी इज्जत स्वयं ही कैसे करें?
How self respect lifts our life?
Do we respect ourselves ?

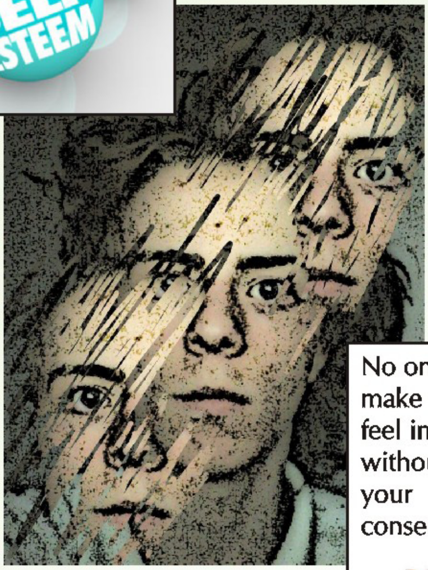

Respect, इज्जत, सम्मान, शोहरत, fame, पाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। धन खर्च करके, मेहनत करके, जोड़-तोड़ करके by any means, दुनिया से इज्जत पाना चाहते हैं। वाह! क्या समझदारी है, कि हम दूसरों से तो अपनी इज्जत करवाना चाहते हैं, परन्तु क्या कभी ध्यान दिया है कि हम अपनी भी इज्जत करते हैं या नहीं ?

अपनी इज्जत करने का raw material लेकर हम संसार में आते हैं। इसको कहते हैं ego - अहंकार। Ego एक energy है, जिसको positive way में transform कर लें तो आत्म सम्मान या self respect के रूप में diamond जैसा character बन जाता है। Life में successful तो egoistic - अहंकारी लोग भी होते हैं, लेकिन वे खुश नहीं रह सकते, because they are dependent on external factors, persons, situations.

Ego को self respect में convert करने के विभिन्न लक्षण हैं।

(1) सर्वप्रथम, अपनी इज्जत करने वाला, सच्चा इन्सान होता है, सत्य का सहारा लेने वालों को कभी defeat नहीं मिलती है। Delay शायद थोड़ा बहुत हो जाता हो।

(2) Self respect वाला character बहुत सोच समझ कर decision लेता है, फिर बाद में उसे regret नहीं करना पड़ता, क्योंकि उसकी determination बहुत strong होती है।

(3) अपनी इज्जत करने वाले व्यक्ति, अपनी इज्जत के साथ-साथ दूसरों को भी अपने जैसा सम्मान देते हैं, जिसके कारण, वह अपने आस-पास के लोगों में ही नहीं, जहाँ भी जाते हैं, लोकप्रिय हो जाते हैं।

(4) Self respecting person अपनी सबसे बड़ी पूंजी, ध्यान, concentration अपने पर ही केन्द्रित करता है, so उसका self development बहुत तेजी से होता है, जबकि egoistic प्राणी अपने पर कम वरन दूसरों के बारे में ज्यादा ध्यान रखता है।

(5) वायदे का पक्का होने के कारण, self respecting person में आत्म विश्वास बहुत ज्यादा होता है, जब कि दूसरों की प्रशंसा पाने के इच्छुक जल्दी nervous हो जाते हैं।

(6) Self respect, व्यक्ति को greed और temptation से बहुत दूर रखती है, इसलिए insult या अपमान होने के chances बहुत कम होते हैं।

(7) अपनी इज्जत करने वाला क्रोध का शिकार नहीं होता, so कीर्ति ज्यादा मिलती है।

Therefore
जब मन साफ, तब पाप माफ
then, Difficulties Half

Life की बन्द किताब कैसे खोलें ?

How life happens ?

इन्सानी Question – God, आपने मुझे human body क्यों दी ?

Godly Answer - इन्सान, तुम मेरी सभी सन्तानों में से most intelligent सन्तान हो, इसलिए congratulations! तुमने इतना wise question पूछा। otherwise, मुझे तुम्हारी life में wisdom, विवेक कम ही नज़र आता है।

देखो भाई, यह पृथ्वी लोक ही, सब कुछ नहीं है। ब्रह्माण्ड अनन्त विशाल है, इसमें अनेक लोक हैं, अनेक प्रकार के जीव और जन्तु हैं, **लेकिन कम समझ के कारण, तुम्हें यह जन्म और संसार ही सब कुछ नज़र आता है। यह तो एक learning school है, जैसे स्कूल कॉलेज में अलग-अलग विषय के periods होते हैं, similarly 60-70 वर्षों के लिए तुम्हें यह human body मिलती है, जिससे कि तुम अपनी soul evolution आत्मा का विकास कर सको, तभी ऊँचे लोकों में higher studies, higher life के लिए तुम्हें admission मिल पाता है।**

इन्सानी Question - Godfather हमें ऊँचे लोकों और higher forms of life का पता क्यों नही है ?

Godly Answer - हमें नहीं, मुझे कहो। सभी पृथ्वीवासी अन्जान हैं, ऐसा नहीं है। पृथ्वी लोक में जितने भी धर्म ग्रन्थ हैं, उन सभी में बेशक ways of worshiping different हो सकते हैं, लेकिन human body की death के बाद, परलोक गमन और different realms, लोकों के विषय में आश्चर्यजनक समानता है। सभी ग्रन्थों में सात स्वर्गों और सात नरकों का पूर्ण वर्णन है। And these are not imaginary thoughts. सन्तों, ऋषियों, दरवेशों ने out of body experience, OBE किए हैं। **Divine knowledge दिव्य ज्ञान, के comparison में even quantum physics, science of physical nature बहुत पीछे है।**

इसलिए तुम्हें अन्य लोकों का, life after death का पता नहीं है, इसका मतलब यह नहीं कि earth के अलावा अनेक living planets नहीं हैं। श्री कृष्ण, जीसस, हज़रत मुहम्मद, गुरु नानक आदि सभी दिव्य शक्तियों ने, मावन जीवन को आगे की तैयारी का एक पड़ाव बताया है।

इन्सानी Question - Godly पिता, तब हम इस human body का best उपयोग कैसे करें ? जिससे कि body death के बाद हमें higher class of existence का experience हो ?

Godly Answer - Nice and wise question. देखो प्यारे, existing and living में बड़ा फर्क होता है। **Feelingless living को ही existing कहते हैं।** Body की capacity, mind की capacity से कम होती है, similarly mind की capacity, intellect की capacity (क्षमता) से कम होती है। Likewise intellect की capacity, soul की capacity से कम होती है। और ultimately soul की capacity, super soul, परमात्मा की capacity से बहुत कम होती है।

For example, **यह Inner Voice जो तुम केवल आँखों से पढ़ रहे हो या कानों से सुन रहे हो, तब तुम्हें, बहुत थोड़ा समझ आएगा और जल्दी ही भूल जाओगे। यदि मन से, means concentration से study कर रहे हो, तब कुछ ज्यादा समझ आएगा, उतना ज्यादा देर तक ध्यान में भी रहेगा।**

यदि मन से अध्ययन करते हुए, intelligence बुद्धि से analyse कर रहे हो, तब इस ज्ञान से और ज्यादा फायदा मिलेगा, knowledge बहुत बढ़ जाएगी। Analysis बहुत अच्छा करने लगोगे। लोग तुम्हें intelligent कहेंगे, लेकिन **जब यही lines तुम आत्मा तक ले जाओगे, तब इस ज्ञान को practically implement करके, अपने behaviour, means life style में changes ला पाओगे।**

इसलिए body से सिर्फ सूचना मिलती है, mind से knowledge आती है, intellect से knowledge को translate करने की विधि समझ में आती है, किन्तु ultimately आत्मा, soul ही इस विधि व ज्ञान को अमली जामा, पहनाती है, implementation of knowledge को ही, energy कहते हैं। Energy से, आत्मा से feelings निकलती है, इन feelings को ही true life कहते हैं।

Therefore, इन्सान बेटे, आजकल, ज्यादातर आदमी, इन्सान क्यों नही बन पा रहे? यही reason है कि वे मन व बुद्धि तो दूर, शरीर से भी ठीक तरह से फायदा नहीं ले पा रहे। आत्मा का level तो बहुत दूर होता जा रहा है।

इन्सानी Question - God पापा, क्या इसी process को मोह और माया के नाम से पुकारा जाता है? यदि ऐसा है, तब कुछ तो रौशनी डाल दीजिए।

Godly Reply – Yes, my dear child. **मन व बुद्धि से relationship को ही मोह कहते हैं। आत्मा से सम्बन्धों को प्रेम कहते हैं। जो मन अथवा बुद्धि से रिश्तों को नापते तोलते इसलिए हैं कि कहाँ फायदा कहाँ नुकसान उन्हें नजर आता है। Since, मन और बुद्धि की शक्ति limited होती है, इसीलिए धन और ऐश्वर्य की सभी वस्तुओं और स्थितियों को truth समझते हैं, इसी को माया कहते हैं।**

For example शादी इत्यादि में लोग Fridge, T.V., आभूषण, वस्त्र आदि का लेन-देन करते हैं, उसमें ज्यादातर फर्ज़ या लालच की feelings छिपी होती है। देने वाले अपना फर्ज़ समझते हैं और लेने वाले अपना हक। यही मोह व माया है। जबकि लेने और देने के पीछे जो वास्तविक खुशी होनी चाहिए वह गायब होती है। खुशी क्यों गायब होती है, क्योंकि आत्मा की पवित्रता जो गायब है।

लेने वाला भावना नहीं देखता, उसे मूल्य नहीं, कीमत नजर आती है, value is different from cost or price देने वाला भी पूरी नुमाइश करता है, लोगों को पता चले कि कितना सामान दिया गया है। यही दिखावा है। **दिखावे को ही माया कहते हैं।** माया की भी खुशी होती है लेकिन यह खुशी short lived होती है। Temporary होने के कारण, इसका असर जल्दी खत्म हो जाता है।

For example, नई कार या कोठी या कपड़े या कोई रिश्ता जीवन में आया। शुरू में तो बहुत attractive लगता है, but slowly-slowly उसका आकर्षण कम होता जाता है। यही नुकसान है मन, बुद्धि से जीवन जीने का।

इसके विपरीत, आत्मा, means truthfulness से जीने को प्रेम कहते हैं। **प्रेम वही कर सकता है जिसको truth मालूम हो।**

Humanly Question - अरे God पिता जी, यह तो जिन्दगी खुलती जा रही है। मैं तो जीवन के अन्दर की तस्वीर देखने लगा हूँ। यहाँ तो कहानी ही कुछ और है।

Godly Reply - हाँ प्यारे पर मूर्ख बेटे! **सच और सत्य अलग-अलग होते हैं।** Apparent reality को सच और truth को सत्य कहते हैं। यह अगली बार समझना।

Happy, Healthy and Honest life कैसे जिएँ?

for

Entertaining & Enlightening Divine Symposium

of 90 minutes

free of cost • full of care

contact :

Divine Ambassadors of Mission Happiness

or Mobile Nos. : 9837032053, 9536824265

Most recent Divine Symposium held at :

Akashwani, New Delhi

Life and Death का तालमेल
जैसे जीते हैं, वैसे ही जाते हैं

सभी धर्मों का सार

1. Purity से जीना, तभी peacefully जाना।
2. Greed में जिएँगे, तब gasping से जाएँगे।
3. अहंकार में जीते हैं तब अंधकार में जाते हैं।
4. क्रोध में जीते हैं तब कष्ट से जाते हैं।

Peaceful death
शान्ति से शरीर त्यागना

Gasping (Breathlessness) Death
सांसों का मुश्किल से छूटना

Death in darkness
भय से देह छोड़ना

Death in distress
दर्द में देह छोड़ना

Choice हमारी अपनी है।

Better Life - Better Death
Bitter Life - Bitter Death

Mission Happiness®

में

Medicines और मरीज़ मोक्ष का माध्यम! कैसे?

इस human birth के सबसे बड़े खुशनसीब वे होते हैं जिनको यह ज्ञान हो जाता है कि body की death के बाद श्मशान और कब्रिस्तान तक यात्रा समाप्त नहीं हो जाती।

Human mind, आत्मा के साथ जीवित रहता है, और अपनी नीयत, नीति और कर्मों के अनुसार शान्ति या कष्टों का अनुभव करता है।

जैसे लोग एक दूसरे को अपने घरों में प्रीतिभोज के लिए बुलाते हैं। Purpose पेट भरना तो होता नहीं है, बल्कि आपसी प्रेम व मान मर्यादा बढ़ाना होता है, रिश्ते उत्तम बनाने से शुभकामनायें व आशीर्वाद मिलते हैं। Similarly Mission Happiness में हम patients के साथ दूर तक के relations create करते हैं, जिसका फल इस life में तथा परलोक में भी मिलना ही है।

Quality, Price and Honesty में, Rewin Tablets हों या Stancal Tablets, Refur Shampoo + conditioner हो या Hemofit Tablets, Mission Happiness के सभी product से patients की body के साथ-साथ, doctors and chemists की आत्मा को पवित्र करने का vision realise किया जा रहा है।

Reality तो यह है कि जब life की screen को zoom mode में देखा जाता है, तभी पता चल जाता है कि doctor, actually, doctor का role play कर रहे हैं, patient भी permanent नहीं है, वह अपने कर्मों के अनुसार patient का role play कर रहा है और chemist का रोल भी temporary है। न कोई doctor रहेगा, न patient, न chemist, न ही company executive, ज़िन्दा रहेगा परन्तु पूरे होश में होंगे हमारे मन व आत्मा, और मन को ही account देना पड़ेगा। Body के end के बाद सभी अपने-अपने ईमान का लेखा-जोखा देंगे।

जिन लोगों की दूर दृष्टि कमजोर होती है, उन्हें यह reality समझने में कुछ देर लग जाती है, लेकिन तब तक बहुत delay and damage हो चुका होता है। इसलिए Mission Happiness में God की नाराज़गी के भय के कारण ही patient को चोट पहुचाने वाले नही, patients, doctors and chemists सभी के ईमान की रक्षा करने वाले products promote किये जाते हैं।

because, Body की death से पहले 75-80% प्राणियों को चाहे वे स्वयं doctors हों या officers, मंत्री हों या संतरी, hospital जाना ही पड़ता है। उन last moments पर गरीबों और मरीजों की silent blessings की importance पता चलती है। यदि हमने मरीजों या गरीबों को उनके दुःख के दिनों में दुख दिया है, तब हमारी स्थिति भी उनसे ज्यादा ही खराब होनी है।

कमाया amount यहाँ और देना पड़ेगा account वहाँ

Patients हों या Doctors, Chemists हों या Company, किसी का भी role यहाँ नहीं है Permanent
So, body की death से पहले ओर बाद में भी, अपमानित और मैला न हो पाए, आत्मा का Ornament
Time बहुत तेजी से भाग रहा है, कभी भी, कहीं भी ज़िन्दगी का मौत से हो सकता है Accident
एक बार श्मशान या कब्रिस्तान पहुँच गए, तब तो सदा के लिए करना पड़ जाएगा Repent ही Repent.

SO, दूर की सोच में देर न हो!

Fast Life को Active Life में कैसे Convert करें ?

जल्दी-जल्दी, Hurry, Worry and Curry. Fast food, Fast life, Fast track सब कुछ fast हो रहा है। इसलिए life का भी fast (व्रत) हो गया है। व्रत में जैसे खाते नहीं हैं, अपने शरीर को तपाते हैं, वैसे ही आजकल जिसको देखो, एक दूसरों को क्या अपने को ही तपाने में लगे हुए हैं। इस fastness को activeness में transform करना बहुत जरूरी है। Fastness में जब focus होता है, उसे activeness कहते हैं। In other words, mindful fastness is activeness. Fastness में जिन्दगी काट ली जाती है, जी नहीं पाते। Activeness में life enjoyment के साथ-साथ meaningful भी हो जाती है।

Fastness मे anxiety का element ज्यादा होता है, seriousness ज्यादा होती है, इसलिए fatigue, थकावट is also more. जबकि activeness में sincerity ज्यादा होती है, इसलिए कम energy spend करनी पड़ती है और body + brain की wear-tear ज्यादा नहीं होती। Fastness में दूसरों के साथ ही नहीं, अपने साथ भी relations खराब हो जाते हैं, दूसरों का भरोसा कम होता जाता है, क्योंकि lack of concentration से commitments पूरी नहीं कर पाते हैं।

Activeness में relations मधुर बनते चले जाते है, because संकल्पशक्ति strong होती है तथा वायदों की कसौटी पर खरे उतरते हैं। Fastness को activeness में transform करने के लिए firm determination of mindfulness is required. ध्यान से हर काम, इसी को ज़िन्दगी कहते हैं।

जीने का मज़ा इतना आता है कि मरने का अफ़सोस नहीं होता !

Consciousness leads to Happiness

Very Very Important

- Please true life के इन 8 pages को केवल read न करें:
- इन पर सोचिए।
- इन को समझिए।
- यही life knowledge आप को अपने अन्दर से सुनाई देने लगेगी।
- आप के actions change होने लगेंगे और खुशमिजाज़ी महसूस करने लगेंगे।

God bless you

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in Printed by : CANNON